ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ମୁକ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, ସମ୍ବଲପୁର, ଓଡ଼ିଶା
Odisha State Open University, Sambalpur, Odisha
Established by an Act of Government of Odisha.

ओड़ीशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय
संबलपुर, ओड़िशा

डिप्लोमा उपाधि कार्यक्रम (डी.एफ.एच.टी)

Diploma in Functional Hindi & Translation

Semester – 01
(D.F.H.T)

सत्रीय कार्य
Assignment

[प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें]

निर्देश

प्रिय विद्यार्थी ,

ओड़ीशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के डिप्लोमा कार्यक्रम में आपका स्वागत हैं ।

उपर्युक्त कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा मे सम्मिलित होने से पूर्व अपेक्षित है कि आप हर पाठ्यक्रम (course) हेतु नियत सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का समुचित उत्तर लिखकर अपनी उत्तर पुस्तिका अपने अध्ययन केंद्र में नियत तिथि के अंदर जमा कर दें, बिना सत्रीय कार्य पूर्ण किए आप सत्रांत परीक्षा के लिए अयोग्य माने जाएंगे। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए कुल (सत्रांत परीक्षा + सत्रीय कार्य) मिलकर 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं। सत्रीय कार्य में अनुत्तीर्ण होने अथवा समय पर सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा ना करने की स्थिति में आपको अगले सत्र में उस नए सत्र और पिछले सत्र का सत्रीय कार्य भी जमा होगा।

सत्रीय कार्य का महत्त्व

1. प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंको का है और इसमें दिए गए प्रश्न निर्धारित खंडों के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। इसमें प्राप्त अंकों का 25 प्रतिशत सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों से जुड़कर आपको बड़ी सफलता दिलाने में सहायक साबित होगा।
2. सत्रीय कार्य के अंकों के 25 प्रतिशत और सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के 75 प्रतिशत को मिलाकर इस पाठ्यक्रम में आपकी सामग्रिक उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम व सत्रीय कार्य प्रश्नावली की रूप - रेखा

कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध डी.एफ.एच.टी कार्यक्रम के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अवलोकन करें।
डी.एफ.एच.टी कार्यक्रम के इस पर्याय (semester) में निर्धारित पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं –

डी.एफ.एच.टी – 1 (DFHT – 1)	: 4 क्रेडिट के लिए 1 प्रश्नपत्र
डी.एफ.एच.टी – 2 (DFHT – 2)	: 4 क्रेडिट के लिए 1 प्रश्नपत्र
डी.एफ.एच.टी – 3 (DFHT – 3)	: 4 क्रेडिट के लिए 1 प्रश्नपत्र
डी.एफ.एच.टी – 4 (DFHT – 4)	: 4 क्रेडिट के लिए 1 प्रश्नपत्र

विश्वविद्यालय के नियमानुसार हर 4 क्रेडिट कोर्स के लिए एक प्रश्नपत्र होगा और 6 और 8 क्रेडिट कोर्स के लिए दो प्रश्नपत्र होंगे ।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामाग्री को कितना पढ़ा – समझना है और उसका विवेचन – विश्लेषण व मूल्यांकन करने की कितनी क्षमता अर्जित की हैं।

सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका कैसे तैयार करेंगे

1. उत्तर के लिए फुलस्केप आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें।
2. उत्तर स्पष्ट और साफ़ लिखे।
3. निर्देशों को पढ़कर उसी के अनुसार उत्तर दे।
4. पूछे गए प्रश्नों के आधार पर उत्तर दे, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर से इतर कुछ ना लिखें।

उत्तर पुस्तिका के आवरण पृष्ठ यानि पृष्ठ संख्या - 1 का नमूना नीचे दिया जा रहा हैं -

अनुक्रमांक .....

नाम .....

पता .....

कार्यक्रम का नाम .....

पाठ्यक्रम शीर्षक .....

सत्रीय कार्य कोड .....

अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड .....

हस्ताक्षर .....

दिनांक .....

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा करने की अंतिम तिथि का विवरण

क्रम सं	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	खंड सं	क्रेडिट	अंतिम तिथि	दिन
1	डी.एफ.एच.टी – 1	हिन्दी भाषा के विविध प्रयोगिक रूप	1	04	28 फरवरी 2020	रविवार
2	डी.एफ.एच.टी – 2	हिन्दी भाषा का संवैधानिक स्वरूप	1		28 फरवरी 2020	रविवार
3	डी.एफ.एच.टी – 3	कार्यालयी हिन्दी के विविध प्रयोग	1		28 फरवरी 2020	रविवार
4	डी.एफ.एच.टी – 4	सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हिन्दी	1		28 फरवरी 2020	रविवार

प्रयोजन मूलक हिंदी और अनुवाद में डिप्लोमा

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – 2020 – 21

पाठ्यक्रम का नाम : हिंदी भाषा के विविध प्रायोगिक रूप

पाठ्यक्रम कोड : डी.एफ.एच.टी – 01

पूर्णांक – 100

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अन्दर ही उत्तर देने का प्रयास करें]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (1x10=10)

(क) भारत के संविधान में हिंदी को कैसे स्वीकार किया गया है ?
(ख) भाषा को सिखने – सिखाने में सहायक या बाधक तत्त्व कौन है ?
(ग) लिपि किसका पक्ष है ?
(घ) कब यह महसूस किया गया की भारत देश की अपनी राजभाषा होनी चाहिए ?
(ङ) हिंदी के किस रूप को राजभाषा स्वीकार किया गया ?
(च) राजभाषा का प्रयोग किन प्रशासन के अंगों में होता है ?
(छ) मध्यकाल में हिंदी जनभाषा कैसे बनी ?
(ज) 'संदेश रासक' की रचना किस भाषा में हुई थी ?
(झ) पंडित गुलेरी, राहुल सांकृत्यायन तथा द्विवेदी जी ने 'पुराणी हिंदी' किसे कहा है ?
(ञ) हिंदी की तीन शैलियाँ कौन सी है ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

(क)राजभाषा का क्या अर्थ है ?
(ख) मानक भाषा किसे कहते है ?
(ग) बोलचाल की बह्षा का परिचय दीजिए।
(घ) भारत में बोली जाने वाली 10 भाषाओँ के नाम लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। (10x4=40)

(क)23 अक्टूबर, 1949 को तत्कालीन उप – प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने क्या संदेश लिखा था ?
(ख)राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर स्पष्ट कीजिए।
(ग) मानक और अमानक पर टिपण्णी लिखिए।
(घ) सामान्य हिंदी और क्षेत्रीय बोलियाँ का परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। (15x2=30)

(क)राजभाषा का प्रयोग प्रशाशनिक स्तर पर कहाँ – कहाँ होता है और कैसे – स्पष्ट कीजिए।
(ख)कोई भाषा संपर्क भाषा कैसे बनती है ? विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्रयोजन मूलक हिंदी और अनुवाद में डिप्लोमा

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – 2020 – 21

पाठ्यक्रम का नाम : हिंदी भाषा का संवैधानिक स्वरुप

पाठ्यक्रम कोड : डी.एफ.एच.टी – 02

पूर्णांक – 100

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अन्दर ही उत्तर देने का प्रयास करें]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (1x10=10)

(क) न्यायपालिका में राजभाषा का प्रयोग किन क्षेत्रों में होता है ?
(ख) भारत के संविधान में राजभाषा सम्बन्धी प्रावधान कहाँ उल्लेखित है ?
(ग) व्यथा के निवारण के लिए अभ्यावेदन में प्रयोग की जाने वाली भाषा का सम्बन्ध किस अनुच्छेद से है ?
(घ) किस अनुच्छेद के अनुसार कोई भी व्यक्ति संघ अथवा राज्य की किसी भी भाषा में अपना अभ्यावेदन दे सकता है ?
(ङ) किसका कर्त्तव्य होगा की वह हिंदी भाषा का प्रसार बढाए ?
(च) किसे हिंदी के विकास का महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है ?
(छ) राजभाषा निति – सम्बन्धी दिशा – निर्देश देने वाली सर्वोच्च समिति कौन है ?
(ज) संसदीय राजभाषा समिति में कितने सदस्य होते है ?
(झ) किस समिति के कार्यों में 1979 के आदेश द्वारा विस्तार किया गया है ?
(ञ) 'क' क्षेत्र में कौन – कौन से राज्य है

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

(क) अनुच्छेद 350 में प्राथमिक स्तर के शिक्षा के विषय में क्या कहा गया है ?
(ख) भाषाई अल्पसंख्यक से आप क्या समझते है ?
(ग) राजभाषा सम्बन्धी किन्हीं पांच समितियों का नाम बताएं।
(घ) हिंदी प्रसार कार्यक्रम के कार्य क्या है ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। (10x4=40)

(क) अनुच्छेद 343 में राजभाषा के सम्बन्ध में क्या कहा गया है ?
(ख) अनुच्छेद 348(1) में क्या कहा गया है ?
(ग) अष्टम अनुसूची में किन किन भाषाओँ को स्थान दिया गया है ?
(घ) संसदीय राजभाषा समिति के बारे में लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। (15x2=30)

(क) विशेष निदेश से आप क्या समझते है ? स्पष्ट कीजिए।
(ख) 'क', 'ख', 'ग' क्षेत्र क सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्रयोजन मूलक हिंदी और अनुवाद में डिप्लोमा

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – 2020 – 21

पाठ्यक्रम का नाम : कार्यालयी हिंदी के विविध प्रयोग

पाठ्यक्रम कोड : डी.एफ.एच.टी – 03

पूर्णांक – 100

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अन्दर ही उत्तर देने का प्रयास करें]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (1x10=10)

(क) पारिभाषिक शब्द को अंग्रेजी में क्या कहते है ?
(ख) सभ्य एवं सुसंस्कृत भाषा क्या है ?
(ग) टिपण्णी के कितने प्रकार है ? नाम बताइए।
(घ) अवर सचिव को अंग्रेजी में क्या कहते है ?
(ङ) Precis शब्द का हिंदी रूपांतर क्या है ?
(च) उपबीमा किसे कहते है ?
(छ) विज्ञान की पांच पारिभाषिक शब्दावली लिखिए।
(ज) राष्ट्रीयकरण के बाद किसका स्वरुप बदल गया ?
(झ) Encumbrance का परिचय लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

(क)बैंक में प्रयुक्त होने वाले 10 हिंदी – अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द लिखिए।
(ख)संक्षेपण – प्रविधि का सामान्य परिचय दीजिए।
(ग) संक्षेपण की विशेषताएँ बताइए।
(घ) पत्राचार में प्रयुक्त होने वाले पांच पारिभाषिक शब्दावली लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। (10x4=40)

(क)कार्यालयी हिंदी और साहित्यिक हिंदी में अंतर स्पष्ट कीजिए।
(ख)टिपण्णी की विशेषताएँ लिखिए।
(ग) पारिभाषिक शब्दों की विशेषता बताइए।
(घ) पारिभाषिक शब्दों के कितने प्रकार है ? चर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। (15x2=30)

(क)कार्यालयी हिंदी की विशेषताएँ लिखिए।
(ख)विज्ञापन का परिचय देते हुए एक विज्ञापन लिखिए।

प्रयोजन मूलक हिंदी और अनुवाद में डिप्लोमा

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – 2020 – 21

पाठ्यक्रम का नाम : सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी

पाठ्यक्रम कोड : डी.एफ.एच.टी – 04

पूर्णांक – 100

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अन्दर ही उत्तर देने का प्रयास करें]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (1x10=10)

(क) ICT का पूर्ण रूप क्या हैं ?
(ख) सूचना भंडारण किसे कहते हैं ?
(ग) नेटवर्किंग किसे कहते हैं ?
(घ) सूचना संपन्नता से क्या होता हैं ?
(ङ) सॉफ्टवेयर तकनीकी क्या होती हैं ?
(च) समकालीन युग किसका हैं ?
(छ) ARPA का पूर्ण रूप क्या हैं ?
(ज) संचार माध्यम से क्या आशय हैं ?
(झ) ASCII क्या हैं ?
(ञ) यूनिकोड का प्रयोग किस लिए किया जाता हैं ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

(क) इंटरनेट पर स्वयं का ब्लॉग कैसे बनाया जा सकता है ?
(ख) सूचना क्रांति से समाज के कौन से कार्यकलाप प्रभावित हुए हैं ?
(ग) ईसाई मिशनरी भारत में किन उद्देश्यों से प्रिंटिग प्रेस की स्थापना करती हैं ?
(घ) 15वीं – 16वीं शताब्दी में भारत में पत्रकारिता के चलते किन दो दृष्टिकोण का टकराव हुआ और कैसे ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। (10x4=40)

(क) भारत में प्रिंट मीडिया के विकास को क्रमबद्ध तरीके से समझाइए।
(ख) यूनिकोड और ASCII के बिच अंतर स्पष्ट कीजिए।
(ग) राष्ट्रीय मीडिया किन मायनों में राष्ट्रीय थी ?
(घ) 1990 के बाद भारत की प्रेस यात्रा पर चर्चा करें।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। (15x2=30)

(क) त्रिपाठी जी (रामनरेश त्रिपाठी) द्विवेदी युग में स्वच्छंदवादी धारा के प्रमुख कवि है। स्पष्ट कीजिए।
(ख) आज़ादी के बाद भारत में हिंदी पत्र – पत्रिकाओं के विकास क्रम पर विस्तार से चर्चा करें।